गांधो जयंति के अवसर पर साबरमती आश्रम, अहमदाबाद मेंसाबरमती आश्रम प्रिजर्वेशन एण्ड मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित "सर्वधर्म प्रार्थना सभा" में दिनांक २ अक्टूबर, २०१५ को गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री ओ० पी० कोहली जी के उद्‌बोधन के संकलित अंश।

- सत्य और अहिंसा के महान दूत ण युग पुरूष महात्मा गाखेजी की आज १४७वी जयती समस्त देश और विश्व मे आदरपूर्वक मनायी जा रही है। आज के इस पुनीत अवसर पर मै पूज्य गाखेजी को कोटि कोटि वदन करता हू ।
- आज का यह पावन अवसर हमें आत्मखोज करने की प्रेरणा देता है। पूज्य महात्मा गाखेजी ने सत्य उव अहिंसा के बल पर समूचे भारत की जनचेतना को जगाया और भारत को गुलामी की जजनीरों से मुक्त कराया। आज हम सब भारतवासी स्वतत्रता के मुक्त माहौल मे अपने देश को विकास की नई उचाईयो पर पहु चाने मे अपना योगदान दे रहे हैं और हमारा राष्ट विकास के नये आयाम प्राप्त करने के लिउ प्रतिबद्ध है।
- आजनादी की लडनाई मे देश के कोनेथ्कोने मे देशवासियो की राष्टत्रप्रेम और समर्पण की अनगिनत घटनाउ आज भी भारत के स्वतत्रता सग्राम के इतिहास मे स्वर्णिम अइारो मे अंकित है और युगोंथ्युगों तक अमर रहेगी। राष्टत्रपिता महात्मा गाखे का सत्य और अहिंसा का सदेश हमारे हृदय मे सदैव जीवत रहकर प्रेरणा देता रहेगा।
- आज के समय मे गाखेजी की विचारखरा उतनी ही प्रासगिक है, जितनी उनके समय में थी। वर्तमान समय मे आवश्यकता इस बात की है कि हम पूज्य गाखेजी के महान आदर्शो का प्रसार समाज मे करें और सामाजिक जीवन को उन्नति के मार्ग पर अग्रसर करे। यही हमारा परम कर्तव्य होना चाहिये। हमारी युवापीढनी बहुमूल्य सपा/ा है। उनकी शक्ति देश की प्रगति मे सम्मिलित हो और देश के विकास को आगे बढनाने मे उनका भरपूर सहयोग प्राप्त हो, उसे वातावरण का निर्माण करने के प्रयास करने चाहिये। मुझे विश्वास है कि हम सब मिलकर इस दिशा में अग्रसर होगे और युवापीढनी में नवचेतना का सचार कर पायगे।
- आज के चुनौती भरे विश्व मे पूज्य बापूजी का प्रेरणा सदेश, जो हमें सत्य, अहिसा, पारस्परिक सौहार्द तथा सबके अख्कारो की रज्ञा करने की सिख देता है। मेरा जीवन ही मेरा सदेश है उेसा कहनेवाले गाखेजी ने अपने जीवन को उक उदाहरण के रूप मे प्रस्थापित कर दिखाया था कि मनुष्य जाति के लिये इस ख्रती पर रामराज्य की स्थापना करना असभव नही है।
- जीवन भर वे सत्य का प्रयोग करते रहे और दरिद्रनारायण की सेवा मे उन्होने पूरा जीवन समर्पित किया था। उनकी विचारखरा में जनसाखरण केन्द्र मे था। मर्यादित जरूरतो के द्वारा आम आदमी यदि जीवन व्यतित करे तो वह समाज के लिये कभी बोझ नहीं बने, उेसा अपरिग्रह का विचार गाखेजी ने दिया था।
- उेसे महामानव की आज जयति मनाई जा रही है। इस पावन अवसर पर मै उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हू और केवल इतना ही कहना चाहू गा कि इस पृथ्वी पर जबतक मानवजाति का अस्तित्व रहेगा, तबतक गाखेजी का नाम अमर रहेगा और समूचे विश्व को सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।
- आइये, हम सकल्प करे के पूज्य महात्मा गाखे जी के जीवन आदर्शों को हम अपने जीवन मे आत्मसातत्र करें और राष्ट और समाज को सुखण शाति और उन्नति के पथ पर आगे बढनाने मे अपना बहुमूल्य योगदान प्रदान करे।

धन्यवाद। जय हिन्द।